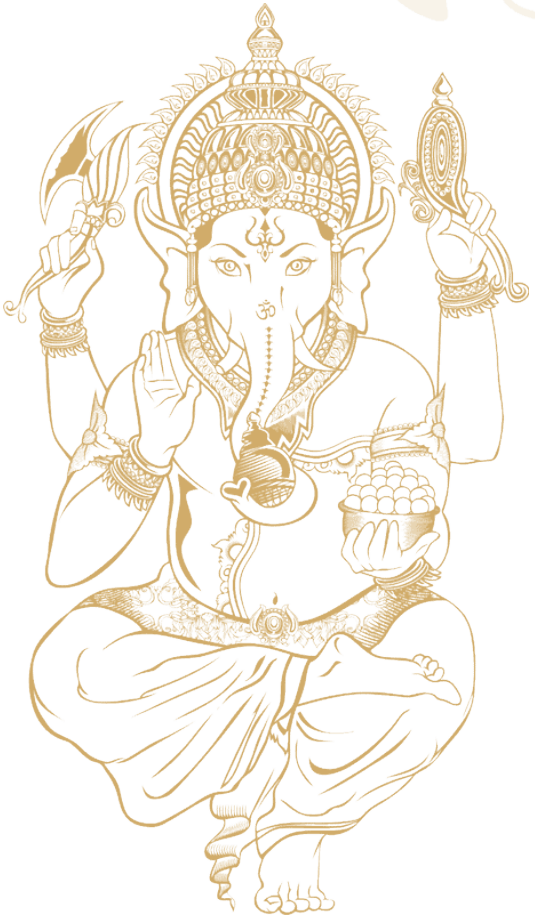

Dishank Binjola

29 Jan 2007

03:00 PM

Pauri Garhwal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121220803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/01/2007**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:00:00 घंटे**
इष्ट	19:41:09 घटी
स्थान	**Pauri Garhwal**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:08:00 उत्तर
रेखांश	78:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:14:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:45:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:03 घंटे
साम्पातिक काल	23:18:13 घंटे
सूर्योदय	07:07:32 घंटे
सूर्यास्त	17:48:30 घंटे
दिनमान	10:40:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:07:54 मकर
लग्न के अंश	09:48:07 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ऐन्द्र
करण	बव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:48:07	325:11:08	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			मक	15:07:54	01:00:56	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	28:54:45	13:27:03	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			धनु	15:17:29	00:44:32	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मक	29:47:01	01:38:17	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	19:36:21	00:10:08	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	07:35:53	01:14:43	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	28:40:44	00:04:40	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	22:49:19	00:05:53	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:49:19	00:05:53	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	18:47:22	00:03:00	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप			मक	25:09:12	00:02:15	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	04:01:33	00:01:47	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	24:41:04	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:26

लग्न-चलित

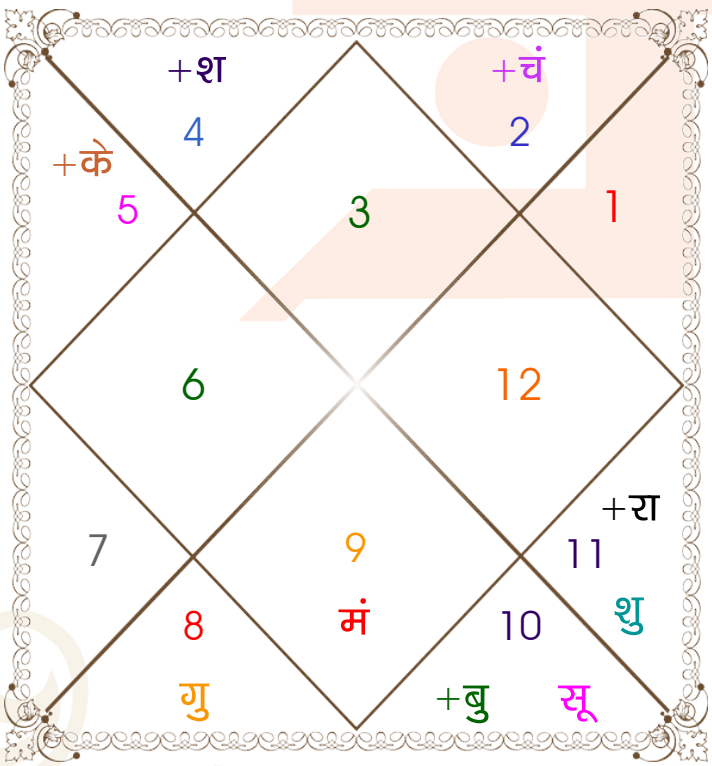

चन्द्र कुंडली

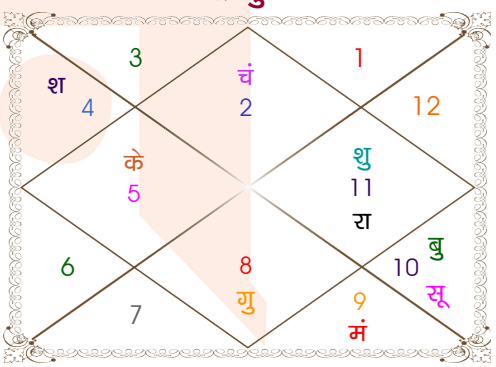

नवमांश कुंडली

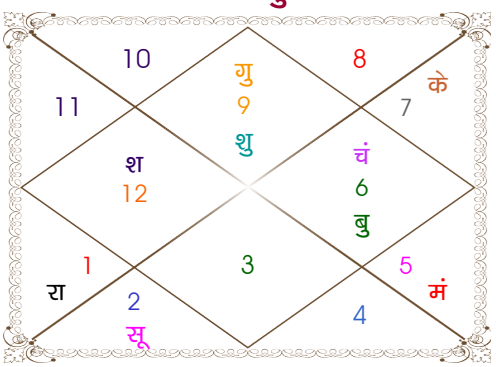

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 0 मास 25 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/01/2007		24/02/2011		24/02/2029		24/02/2045		24/02/2064	
24/02/2011		24/02/2029		24/02/2045		24/02/2064		24/02/2081	
	00/00/0000	राहु	06/11/2013	गुरु	14/04/2031	शनि	27/02/2048	बुध	23/07/2066
	00/00/0000	गुरु	01/04/2016	शनि	25/10/2033	बुध	06/11/2050	केतु	20/07/2067
	29/01/2007	शनि	06/02/2019	बुध	31/01/2036	केतु	16/12/2051	शुक्र	20/05/2070
शनि	26/08/2007	बुध	25/08/2021	केतु	06/01/2037	शुक्र	15/02/2055	सूर्य	26/03/2071
बुध	22/08/2008	केतु	13/09/2022	शुक्र	07/09/2039	सूर्य	28/01/2056	चंद्र	25/08/2072
केतु	18/01/2009	शुक्र	12/09/2025	सूर्य	25/06/2040	चंद्र	28/08/2057	मंगल	22/08/2073
शुक्र	20/03/2010	सूर्य	07/08/2026	चंद्र	25/10/2041	मंगल	07/10/2058	राहु	11/03/2076
सूर्य	26/07/2010	चंद्र	06/02/2028	मंगल	01/10/2042	राहु	13/08/2061	गुरु	16/06/2078
चंद्र	24/02/2011	मंगल	24/02/2029	राहु	24/02/2045	गुरु	24/02/2064	शनि	24/02/2081

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/02/2081		24/02/2088		25/02/2108		25/02/2114		25/02/2124	
24/02/2088		25/02/2108		25/02/2114		25/02/2124		00/00/0000	
केतु	23/07/2081	शुक्र	26/06/2091	सूर्य	14/06/2108	चंद्र	26/12/2114	मंगल	23/07/2124
शुक्र	22/09/2082	सूर्य	25/06/2092	चंद्र	14/12/2108	मंगल	27/07/2115	राहु	11/08/2125
सूर्य	28/01/2083	चंद्र	24/02/2094	मंगल	20/04/2109	राहु	25/01/2117	गुरु	18/07/2126
चंद्र	29/08/2083	मंगल	26/04/2095	राहु	15/03/2110	गुरु	27/05/2118	शनि	30/01/2127
मंगल	25/01/2084	राहु	26/04/2098	गुरु	01/01/2111	शनि	26/12/2119		00/00/0000
राहु	11/02/2085	गुरु	26/12/2100	शनि	14/12/2111	बुध	27/05/2121		00/00/0000
गुरु	18/01/2086	शनि	25/02/2104	बुध	20/10/2112	केतु	26/12/2121		00/00/0000
शनि	27/02/2087	बुध	26/12/2106	केतु	25/02/2113	शुक्र	27/08/2123		00/00/0000
बुध	24/02/2088	केतु	25/02/2108	शुक्र	25/02/2114	सूर्य	25/02/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 0 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।